Downloaded From: http://www.cbseportal.com

SET – 1

Series : SSO/1

कोड नं.
Code No. 2/1/1

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **8** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जायेगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (केन्द्रिक)
HINDI (Core)

*निर्धारित समय : **3** घंटे]* *[अधिकतम अंक : **100***

*Time allowed : **3** hours]* *[Maximum marks : **100***

खंड – 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

राष्ट्र केवल ज़मीन का टुकड़ा ही नहीं बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत होती है जो हमें अपने पूर्वजों से परम्परा के रूप में प्राप्त होती है । जिसमें हम बड़े होते हैं, शिक्षा पाते हैं और साँस लेते हैं – हमारा अपना राष्ट्र कहलाता है और उसकी पराधीनता व्यक्ति की परतंत्रता की पहली सीढ़ी होती है । ऐसे ही स्वतंत्र राष्ट्र की सीमाओं में जन्म लेने वाले व्यक्ति का धर्म, जाति, भाषा या सम्प्रदाय कुछ भी हो, आपस में स्नेह होना स्वाभाविक है । राष्ट्र के लिए जीना और काम करना, उसकी स्वतंत्रता तथा विकास के लिए काम करने की भावना राष्ट्रीयता कहलाती है ।

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

जब व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति से धर्म, जाति, कुल आदि के आधार पर व्यवहार करता है तो उसकी दृष्टि संकुचित हो जाती है । राष्ट्रीयता की अनिवार्य शर्त है – देश को प्राथमिकता, भले ही हमें 'स्व' को मिटाना पड़े । महात्मा गांधी, तिलक, सुभाषचन्द्र बोस आदि के कार्यों से पता चलता है कि राष्ट्रीयता की भावना के कारण उन्हें अनगिनत कष्ट उठाने पड़े किंतु वे अपने निश्चय में अटल रहे । व्यक्ति को निजी अस्तित्व कायम रखने के लिए पारस्परिक सभी सीमाओं की बाधाओं को भुलाकर कार्य करना चाहिए तभी उसकी नीतियाँ-रीतियाँ राष्ट्रीय कही जा सकती हैं ।

जब-जब भारत में फूट पड़ी, तब-तब विदेशियों ने शासन किया । चाहे जातिगत भेदभाव हो या भाषागत – तीसरा व्यक्ति उससे लाभ उठाने का अवश्य यत्न करेगा । आज देश में अनेक प्रकार के आन्दोलन चल रहे हैं । कहीं भाषा को लेकर संघर्ष हो रहा है तो कहीं धर्म या क्षेत्र के नाम पर लोगों को निकाला जा रहा है जिसका परिणाम हमारे सामने है । आदमी अपने अहं में सिमटता जा रहा है । फलस्वरूप राष्ट्रीय बोध का अभाव परिलक्षित हो रहा है ।

(क) गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए । **1**

(ख) अस्तित्व एवं अनिवार्य से प्रत्यय और उपसर्ग छाँटकर लिखिए । **1**

(ग) "जब व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति से धर्म, जाति, कुल आदि के आधार पर व्यवहार करता है तो उसकी दृष्टि संकुचित हो जाती है ।" रचना के आधार पर वाक्य का प्रकार लिखिए । **1**

(घ) 'स्व' से क्या तात्पर्य है, उसे मिटाना क्यों आवश्यक है ? **2**

(ङ) आशय स्पष्ट कीजिए – "राष्ट्र केवल ज़मीन का टुकड़ा ही नहीं बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत भी है ।" **2**

(च) राष्ट्रीयता से लेखक का क्या आशय है ? गद्यांश में चर्चित दो राष्ट्रभक्तों के नाम लिखिए । **2**

(छ) राष्ट्रीय बोध का अभाव किन-किन रूपों में दिखाई देता है ? **2**

(ज) राष्ट्र के उत्थान में व्यक्ति का क्या स्थान है ? उदाहरण सहित लिखिए । **2**

(झ) व्यक्तिगत स्वार्थ एवं राष्ट्रीय भावना परस्पर विरोधी तत्त्व हैं । कैसे ? तर्क सहित उत्तर लिखिए । **2**

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

पैदा करती कलम विचारों के जलते अंगारे,
और प्रज्वलित प्राण देश क्या कभी मरेगा मारे ?
लहू गर्म करने को रक्खो मन में ज्वलित विचार,
हिंस्र जीव से बचने को चाहिए किन्तु तलवार ।

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

एक भेद है और जहाँ निर्भय होते नर-नारी

कलम उगलती आग, जहाँ अक्षर बनते चिंगारी

जहाँ मनुष्यों के भीतर हरदम जलते हैं शोले,

बातों में बिजली होती, होते दिमाग में गोले ।

जहाँ लोग पालते लहू में हालाहल की धार

क्या चिंता यदि वहाँ हाथ में हुई नहीं तलवार ?

(क) कलम किस बात की प्रतीक है ? **1**

(ख) तलवार की आवश्यकता कहाँ पड़ती है ? **1**

(ग) लहू को गर्म करने से कवि का क्या आशय है ? **1**

(घ) कैसे व्यक्ति को तलवार की आवश्यकता नहीं होती ? **1**

(ङ) तलवार कब अपरिहार्य हो जाती है ? **1**

खंड – 'ख'

3. निम्नांकित में से किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए : **5**

(क) नारी सुरक्षा : समस्या और समाधान

(ख) मैं कल का नहीं आज का नागरिक

(ग) हिंदी और उसका भविष्य

(घ) मंगल अभियान

4. भारतीय युवाओं में क्रिकेट खेल के प्रति अत्यधिक लगाव की चर्चा करते हुए अन्य खेलों के प्रति उदासीनता के बारे में किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए । **5**

अथवा

दूरदर्शन केन्द्र निदेशक को प्रायोजित कार्यक्रमों की अधिकता एवं उनके गिरते हुए स्तर पर चिंता व्यक्त करते हुए पत्र लिखिए ।

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **1 × 5 = 5**

(क) डैड लाइन किसे कहते हैं ?

(ख) वॉचडॉग पत्रकारिता क्या है ?

(ग) सम्पादक के कार्य लिखिए ।

(घ) पत्रकार किसे कहते हैं ?

(ड़) ब्रेकिंग न्यूज का क्या आशय है ?

6. "आँखों देखा जलप्रलय" **अथवा** "टूटते-बिखरते रिश्ते" पर एक आलेख लिखिए । **5**

अथवा

हाल ही में पढ़े किसी मनोरंजक कहानी संग्रह की समीक्षा कीजिए ।

7. 'जंक फूड की समस्या' **अथवा** 'स्वच्छता अभियान' विषय पर एक फ़ीचर का आलेख लिखिए । **5**

खंड – 'ग'

8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **2 × 4 = 8**

ज़िन्दगी में जो कुछ है, जो भी है
सहर्ष स्वीकारा है;
इसलिए कि जो कुछ भी मेरा है
वह तुम्हें प्यारा है ।
गरबीली गरीबी यह, ये गंभीर अनुभव सब
यह विचार-वैभव सब
दृढ़ता यह, भीतर की सरिता यह, अभिनव सब
मौलिक है, मौलिक है
इसलिए कि पल-पल में
जो कुछ भी जाग्रत है अपलक है
संवेदन तुम्हारा है ।

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

(क) कवि जीवन की प्रत्येक परिस्थिति को सहर्ष स्वीकार क्यों करता है ?

(ख) गरीबी के लिए प्रयुक्त विशेषण का औचित्य और सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।

(ग) कवि किन्हें नवीन और मौलिक मानता है तथा क्यों ?

(घ) 'जो कुछ भी मेरा है वह तुम्हें प्यारा है' – इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

पतंगों के साथ वे भी उड़ रहे हैं
अपने रंध्रों के सहारे
अगर वे कभी गिरते हैं छतों के खतरनाक किनारों से
और बच जाते हैं तब तो
और भी निडर होकर सुनहले सूरज के सामने आते हैं
पृथ्वी और भी तेज घूमती हुई आती है
उनके बेचैन पैरों के पास ।

(क) सुनहले सूरज के सामने आने से कवि का क्या आशय है ?

(ख) गिरकर बचने पर बच्चों में क्या प्रतिक्रिया होती है ?

(ग) पैरों को बेचैन क्यों कहा गया है ?

(घ) "पतंगों के सहारे वे भी उड़ रहे हैं" – आशय स्पष्ट कीजिए ।

9. निम्नलिखित काव्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **2 × 3 = 6**

प्रभु प्रताप सुनि कान
विकल भए वानर निकर
आइ गयउ हनुमान
जिमि करुना महँ वीर रस ।

(क) भाषा प्रयोग की दो विशेषताएँ लिखिए ।

(ख) काव्यांश का भाव सौन्दर्य लिखिए ।

(ग) काव्यांश की अलंकार योजना पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

अट्टालिका नहीं है रे, आतंक भवन

सदा पंक पर ही होता, जल विप्लव प्लावन

क्षुद्र प्रफुल्ल जलज से, सदा छलकता नीर

रोक शोक में भी हँसता है, शैशव का सुकुमार शरीर ।

(क) काव्यांश की दो भाषिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

(ख) काव्यांश की अलंकार योजना पर प्रकाश डालिए ।

(ग) काव्यांश का भाव सौन्दर्य लिखिए ।

10. निम्नांकित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **3 + 3 = 6**

(क) कुंभकरण के द्वारा पूछे जाने पर रावण ने अपनी व्याकुलता के बारे में क्या कहा और कुंभकरण से क्या सुनना पड़ा ?

(ख) 'उषा' कविता में भोर के नभ की तुलना किससे की गई है और क्यों ?

(ग) कवि ने कथ्य को महत्त्व दिया है अथवा भाषा को – 'बात सीधी थी पर' के आधार पर तर्क-सम्मत उत्तर दीजिए ।

11. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **2 × 4 = 8**

लोभ का यह जीतना नहीं कि जहाँ लोभ होता है, यानी मन में, वहाँ नकार हो ! यह तो लोभ की ही जीत है और आदमी की हार । आँख अपनी फोड़ डाली, तब लोभनीय के दर्शन से बचे तो क्या हुआ ? ऐसे क्या लोभ मिट जाएगा ? और कौन कहता है कि आँख फूटने पर रूप दीखना बन्द हो जाएगा ? क्या आँख बन्द करके ही हम सपने नहीं लेते हैं ? और वे सपने क्या चैन-भंग नहीं करते हैं ? इससे मन को बन्द कर डालने की कोशिश तो अच्छी नहीं । वह अकारथ है यह तो हठवाला योग है । शायद हठ-ही-हठ है, योग नहीं है । इससे मन कृश भले ही हो जाए और पीला और अशक्त; जैसे विद्वान का ज्ञान । वह मुक्त ऐसे नहीं होता । इससे वह व्यापक की जगह संकीर्ण और विराट की जगह क्षुद्र होता है । इसलिए उसका रोम-रोम मूँदकर बन्द तो मन को करना नहीं चाहिए ।

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

(क) 'लोभ को नकारना लोभ की ही जीत है' – कैसे ?

(ख) आँख फोड़ने का दृष्टांत क्यों दिया गया है ?

(ग) 'शायद हठ ही है, योग नहीं है' – आशय स्पष्ट कीजिए ।

(घ) मुक्त होने के लिए लेखक के अनुसार आवश्यक शर्त क्या है ?

अथवा

प्लेटफार्म पर उसके बहुत से दोस्त, भाई, रिश्तेदार थे, हसरत भरी नज़रों, बहते हुए आँसुओं, ठंडी साँसों और भिंचे हुए होठों को बीच में से काटती हुई रेल सरहद की तरफ बढ़ी । अटारी में पाकिस्तानी पुलिस उतरी, हिन्दुस्तानी पुलिस सवार हुई । कुछ समझ में नहीं आता था कि कहाँ से लाहौर खत्म हुआ और किस जगह से अमृतसर शुरू हो गया । एक ज़मीन थी, एक ज़बान थी, एक-सी सूरतें और लिबास, एक-सा लबो लहज़ा, और अंदाज थे, गालियाँ भी एक ही सी थीं जिनसे दोनों बड़े प्यार से एक दूसरे को नवाज़ रहे थे । बस मुश्किल सिर्फ़ इतनी थी कि भरी हुई बन्दूकें दोनों के हाथों में थीं ।

(क) क्यों पता नहीं लगता कि कहाँ लाहौर खत्म हुआ और कहाँ अमृतसर शुरू हुआ ?

(ख) प्लेटफार्म पर खड़े लोगों की दशा कैसी थी, और क्यों ?

(ग) पाकिस्तान और हिन्दुस्तान की पुलिस कहाँ बदली और क्यों ?

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए – 'मुश्किल सिर्फ इतनी थी कि भरी हुई बंदूकें दोनों के हाथों में थीं ।'

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **3 × 4 = 12**

(क) पहलवान की ढोलक का गाँव वालों पर क्या प्रभाव होता था ?

(ख) धर्मवीर भारती मेंढक मण्डली पर पानी डालना क्यों व्यर्थ मानते थे ?

(ग) जाति और श्रम विभाजन में बुनियादी अन्तर क्या है ? 'श्रम विभाजन और जाति प्रथा' के आधार पर उत्तर दीजिए ।

(घ) चार्ली चैप्लिन के जीवन संघर्ष पर प्रकाश डालिए ।

(ड़) भक्तिन की बेटी पर पंचायत द्वारा पति क्यों थोपा गया ? इस घटना के विरोध में दो तर्क दीजिए ।

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

13. 'सिल्वर वैडिंग' के आधार पर उन जीवन मूल्यों पर विचार कीजिए, जो यशोधर बाबू को किशनदा से उत्तराधिकार में मिले थे । आप उनमें से किन्हें अपनाना चाहेंगे ? **5**

14. (क) मुअनजो दड़ो की सभ्यता पूर्ण विकसित मानव सभ्यता थी, कैसे ? पाठ के आधार पर उदाहरण देकर पुष्ट कीजिए । **5**

(ख) ऐन फ्रैंक की डायरी में ऐसी क्या विशेषताएँ हैं कि वह पिछले 50 वर्षों में विश्व में सबसे अधिक पढ़ी गई पुस्तकों में एक है ? **5**

Downloaded From: http://www.cbseportal.com